चित्रकूट में दंत चिकित्सा पर चल रहे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ समापन

तीन दिन चले इस सम्मेलन में दंत चिकित्सकों, शोधकर्ताओं और डेंटल छात्रों ने एक-दूसरे के ज्ञान और अनुभव को किया साझा

नवभारत न्यूज

चित्रकूट 2 नबम्बर, दीनदयाल शोध संस्थान, इंडियन डेंटल एसोसिएशन-यूके तथा सेवा-यूके के संयुक्त तत्वावधान में चित्रकूट में %दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बदलते प्रतिमान% पर चल रहे तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन रविवार को दीनदयाल परिसर के लोहिया सभागार में हुआ। इस दंत सम्मेलन में यूके सहित देश भर के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और चिकित्सकों द्वारा दंत चिकित्सा विज्ञान और मौखिक देखभाल प्रौद्योगिकियों में नवाचारों के क्षेत्र में प्रगति पर विचार-विमर्श किया गया।इस दौरान 9 शोधार्थियों ने पोस्टर समापन अवसर पर करह आश्रम के महंत श्री माधवदास महाराज, दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा, चित्रकूट प्रोजेक्ट के डेंटल निदेशक डॉ नरेश शर्मा, इंग्लैंड के डॉ अशोक सेठी, केजीएमयू लखनऊ के डीन डॉ जी के सिंह, इंडियन डेंटल एशोसिएशन यूके के अध्यक्ष डॉ मनु सिंगल, हितकारिणी डेंटल कॉलेज जबलपुर के डीन डॉ रोहित मिश्रा प्रमुख रूप से मंचासीन रहे।

आरोग्यधाम दंत चिकित्सा विभाग के प्रभारी डॉ वरुण गुप्ता ने तीन दिन तक हुए मंथन की ब्रीफिंग करते हुए इस बात पर जोर दिया कि मौखिक स्वास्थ्य समग्र स्वास्थ्य की आधारशिला है और इसे सामान्य स्वास्थ्य सेवा नीतियों में और अधिक प्रमुखता से शामिल किया जाना चाहिए। हाल के वर्षों में मौखिक स्वच्छता और दंत चिकित्सा जांच लोगों, विशेषकर युवा पीढ़ी के लिए एक आवश्यक दिनचर्या बन गई है। समारोप सत्र का संचालन करते हुए दीनदयाल शोध संस्थान के सीईओ अमिताभ वशिष्ठ ने बताया कि चित्रकूट क्षेत्र के लिए यह ऐसी पहली डेंटल कान्फ्रेन्स है, जिसमें विभिन्न तकनीकी सत्र शामिल थे जहाँ विशेषज्ञों ने अपने अनुभव

और भविष्य की रणनीतियों पर विमर्श किया। चित्रकूट प्रोजेक्ट के डेंटल निदेशक डॉ नरेश शर्मा, लंदन ने कहा कि चित्रकूट में कोई ऐसी शक्ति है जो की सारी बाधाओं को दूर कर हमको यहां तक पहुंचाती है और हम कार्य कर पाते हैं। हम सभी अपने अनुभवों का लाभ अपने समाज एवं देशवासियों को प्रदान करें यही हमारी सर्वोत्तम उपलब्धि होगी। इंग्लैंड के डॉ अशोक सेठी ने कहा कि चित्रकूट आना और यहां कार्य करना हमें गौरवान्वित करने वाला पल होता है। दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन ने अपने संबोधन में दंत चिकित्सकों और प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे लोगों को नियमित मौखिक स्वच्छता और दंत चिकित्सा जांच को अपनी स्वास्थ्य देखभाल दिनचर्या का एक अनिवार्य हिस्सा बनाने के बारे में जागरूक करें। श्रद्धेय नाना जी की भी सोच रही है कि दंत चिकित्सा से जुड़ी जितनी भी विधाएं हैं उन सबको जोड़कर अंतिम व्यक्ति तक क्या हो सकता है इसका मॉडल बनाकर प्रस्तुत कर सके इसमें सभी लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो। कार्यक्रम के अंत में आशीर्वचन देते हुए करह आश्रम के महंत श्री माधवदास महाराज ने कहा कि मानव शरीर में सभी देव विराजमान है इसलिए यह शरीर मानवता के कार्य में लगे, महापुरुष सभी के उत्थान के लिए आते हैं वह मन वचन और कर्म से प्राणी मात्र के कल्याण की कामना के लिए कार्य करते हैं हम सबका भी यही ध्येय होना चाहिए।

सम्मेलन के अंतिम दिन आउटरीच ऑफ ऑक्लूजन पर यूके के डॉ. अजीत शेट्टी एवं सामान्य दंत चिकित्सा पद्धति में मुख कैंसर का शीघ्र पता लगाना इस संदर्भ में वाराणसी के टाटा केंसर हास्पीटल के आन्कोलॉजी विभाग की डॉ. सुनयना आर. सरकार द्वारा अपने पूर्वानुभवों को रखते हुए प्रजेंटेशन दिया गया। डिजिटल इम्प्लांट दंत चिकित्सा सौंदर्यशास्त्र पर इंग्लैंड के डॉ. पवन बोपन्ना ने तथा ब्रिटेन में दंत चिकित्सा पद्धति के बारे में यूके से आए डॉ. आशीष गोदारा द्वारा बताया गया। दंत चिकित्सा और सामुदायिक सेवा में इंडियन डेंटल एशोसिएशन यूके का प्रभाव और क्षमता पर आईडीए यूके के चेयरमैन डॉ. मनु सिंगल और डॉ. बीजू रामचन्द्रन द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया।

इस दौरान हितकारिणी डेंटल कालेज जबलपुर के डीन डॉ रोहित मिश्रा, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ के डेंटल विभागाध्यक्ष डॉ जी के सिंह ने भी अपने अनुभवों को सबके समक्ष रखा।

तीन दिन चले इस सम्मेलन में दंत चिकित्सकों, शोधकर्ताओं और डेंटल छात्रों ने एक-दूसरे के ज्ञान और अनुभव को साझा किया। जिसमें दंत चिकित्सा की नवीनतम तकनीकें, सेमिनार में 3ष्ठ प्रिंटिंग, इंट्राओरल स्कैनिंग और AI जैसी डिजिटल दंत चिकित्सा में नवीनतम प्रगति पर चर्चा हुई।

सेमिनार में मौखिक कैंसर का पता लगाना, डिजिटल इम्प्लांट डेंटिस्ट्री, बच्चों में आघात के बाद दंत प्रबंधन और ग्रामीण क्षेत्रों में मुस्कान जैसे विभिन्न विषयों को शामिल किया गया। इस दंत सम्मेलन में यूके सहित देश भर के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और चिकित्सकों ने दंत चिकित्सा विज्ञान और मौखिक देखभाल प्रौद्योगिकियों में नवाचारों के क्षेत्र में प्रगति पर विचार-विमर्श किया। दीनदयाल शोध संस्थान के वरिष्ठ शोध अधिकारी डॉ मनोज त्रिपाठी ने बताया कि कान्फ्रेन्स में 14 प्रमुख स्पीकर एवं 6 बड़ी संस्थाओं की भागीदारी के साथ 5 प्रमुख डेंटल कंपनी ने नवीनतम तकनीकों, डिजिटल दंत चिकित्सा, दंत प्रत्यारोपण और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन भी किया गया। इसके अलावा हितकारिणी डेंटल कॉलेज जबलपुर, केजीएमयू लखनऊ, डेंटल एवं ईएनटी क्लीनिक जबलपुर, शासकीय मेडिकल कॉलेज कानपुर, एम्स भोपाल, मॉडर्न डेंटल कॉलेज इंदौर, बीएचयू वाराणसी, डेंटल इंस्टीट्यूट बरेली के शोधार्थी, छात्र एवं डेंटल प्रेक्टिस कर रहे चिकित्सक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने तारों का मकड़जाल, गंभीर हादसा टला

नवभारत न्यूज

कोठी 2 नवंबर, आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने लगे ट्रांसफार्मर के पास शाम के वक्त अचानक अफरा तरफी का माहौल हो गया , एक व्यक्ति नशे की हालत में ट्रांसफार्मर की फैली हुई तारों को पड़कर अचानक लेट गया ।

लोगों ने समझा की कोई बड़ी घटना घट गई वह तो गनीमत थी कि उस वक्त लाइट नहीं थी अन्यथा कुछ भी हो सकता था लोगों ने विद्युत विभाग को सूचना देकर इस गंभीर हादसे को बचा

लिया। लोगों ने बताया कि ट्रांसफार्मर के आसपास तारों का मकड़जाल है जिससे सदैव लाइट फॉल्ट होती रहती है सही ढंग से मेंटेनेंस न करने की वजह से पूर्व में भी कई बार खतरा बन चुका है । खंभे में फैले तारों की वजह से आग लगने के साथ-साथ कई बार जानवर भी करंट की चपेट में आ चुके हैं जिससे घटनाएं घट चुकी हैं आज फिर से बड़ी घटना होने से बच गई समय रहते लोगों ने ध्यान ना दिया होता तो निश्चित ही वह व्यक्ति करंट की चपेट में आ जाता वह बात अलग है कि वह नशे में था विद्युत विभाग को कोठी में फैली अव्यवस्थाओं पर ध्यान देना चाहिए कोठी नगर में जगह-जगह तारों का मकड़ जाल है जगह-जगह तार झूल रही हैं जिससे खंभो में भी करंट उतर जाता है।

कोठी प्रीमियर लीग में डीडबल्यू एवं टीडी ने जीते अपने मैच

नवभारत न्यूज

कोठी 2 नवंबर, खेल मैदान में जारी छठवीं अमर शहीद ठाकुर रणमत सिंह कोठी प्रीमियर लीग टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के आज दो मैच खेले गए जिसमें डीडबल्यू एवं टीडी ने अपने मैच जीते।

पहला मैच ईडबल्यू एवं डीडबल्यू के मध्य खेला गया जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए ईडबल्यू की टीम ने 104 बनाए, जीत के लिए 105 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी डीडबल्यू की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट से मैच जीत लिया मनीष बुनकर को मैच में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया

वहीं आज का दूसरा मैच टीडी एवं केजीएन किंग्स के मध्य खेला गया जिसमें केजीएन किंग्स ने पहले बैटिंग करते हुए 107 रन बनाए, टीडी टीम के प्रियांशु त्रिवेदी के हरफलमौला प्रदर्शन की बदौलत बड़ी आसानी से मैच टीडी की टीम ने जीत लिया प्रियांशु त्रिवेदी को मैच में तीन विकेट लेने एवं शानदार बल्लेबाजी करने की बदौलत मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया आज के मैच में आयोजन समिति के सचिव हाजी मोहम्मद इकराम के साथ-साथ आयोजन समिति के सदस्य व अन्य पदाधिकारी तथा दर्शक मौजूद रहे वहीं दूसरी मैच में बाबा अमर शहीद ठाकुर रणमत सिंह सेवा संगठन की कोर समिति मौजूद रही अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह अपनी कार्यकारिणी के साथ आज के मैच का आनंद उठाया और खिलाड़ियों को नगद राशि देकर प्रोत्साहित भी किया .

आयोजन समिति ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए अनुराग सिंह दादू ने मैच का आंखों देखा हाल सुनाया, आज प्रतियोगिता के दो मैच खेले जाएंगे पहला मैच एसएस 11 व आरसी के मध्य सुबह 10:00 बजे से खेला जाएगा वहीं दूसरा मैच दोपहर 1:00 से एसटीएल एवं डीडबल्यू के मध्य खेला जाएगा।

नप कार्यालय के सामने की बस्ती में पानी की समस्या बनी स्थाई समस्या

नवभारत न्यूज

कोठी 2 नवंबर, नगर परिषद कोठी के वार्ड क्रमांक 2 में हर मौसम में पानी एक बड़ी समस्या बना हुआ है ।

यहां के रहवासियों को स्थाई रूप से पानी की समस्या बनी रहती है और दूर से पीने का पानी ढोकर लाना पड़ता है जिससे यहां पर रहने वाले अधिकांश घरों के सदस्यों को नियमित रूप से पानी ढोना पड़ता है जिससे उनका और दूसरे काम का नुकसान होता है जबकि दिया तले अंधेरा कहावत की यह बस्ती नगर परिषद कार्यालय के ठीक सामने बसा हुआ है परंतु यहां पर पानी की उचित व्यवस्था नहीं बनाई गई और एक दो हैंड पंपों के सहारे आधे से अधिक मोहल्ला आश्रित है सबसे अधिक दिक्कत बसोर बस्ती के लोगों को हो रही है क्योंकि वह निचले हिस्से में रहते हैं और उनके मोहल्ले में सड़क भी नहीं है जिससे घूम कर एक किलोमीटर दूर से आना पड़ता है और पानी ढोकर ले जाते हैं कई लोगों ने बताया कि इसके लिए हमने कई बार जिम्मेदारों से गुहार लगाई पर जब कोई हो तो सुने इसलिए अब कहते-कहते थक गए हैं।

लोगों ने बताया कि पानी के बिना कोई काम नहीं हो सकता है इसलिए घर के 1 सदस्य को नियमित रूप से पानी ही धोना पड़ता है क्योंकि घर में कई सदस्य रहते हैं जिस घर के एक सदस्य की ड्यूटी जैसे लगी रहती है यह समस्या कई बार समाचार पत्रों में भी आई फिर भी आज तक इस दिशा में किसी भी ने जिम्मेदारी से ध्यान नहीं दिया और जब भी कहो तो बस करवा देते हैं हो जाएगा यही जवाब मिलता है।

राष्ट्र के विकास में मातृशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका

नवभारत न्यूज

नागौद 2 नवंबर, सरस्वती शिक्षा परिषद एवं विद्या भारती से सम्बद्ध नागौद बाल कल्याण समिति नागौद द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर नागौद में सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम सरस्वती शिशु मंदिर नागौद के प्राथमिक विभाग में रविवार दिनांक-02.11.2025 को सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ वीणापाणि के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं समवेत स्वरों में संगीतमयी सरस्वती वंदना से हुआ। मंच का परिचय श्रीमती ललिता कुशवाहा ने करवाया। इसमें मुख्य अतिथि के रुप में श्रीमती अर्चना सिंह, अध्यक्ष श्रीमती

अंजना टंडन, सप्त शक्ति की जिला संयोजिका श्रीमती अनमोल केशरवानी, श्रीमती शालिनी सिंह एवं श्रीमती आभा अग्रवाल ने मंच को सुशोभित किया। कार्यक्रम की प्रस्तावना जिला संयोजिका श्रीमती अनमोल केशरवानी ने रखी। तत्पश्चात समूह गीत हम ही मातृ शक्ति हैं विद्यालय की बहिनों द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में मातृ शक्तियों एवं विद्यालय की दीदियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। सप्त शक्ति कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती अर्चना सिंह ने कुटुम्ब प्रबोधन एवं पर्यावरण के संबंध में भारतीय दृष्टि पर सारगर्भित प्रबोधन किया। सप्त शक्ति के माध्यम से पंच परिवर्तन की बात कही गई है ये हैं- पंच परिवर्तन, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण, सामाजिक समरसता ही नागरिक कर्तव्य हैं। सुश्री अवंतिका पाण्डेय द्वारा रोचक प्रश्नोत्तरी से कार्यक्रम को रोचक बनाया । कार्यक्रम में विविध क्षेत्रों में प्रतिष्ठित वीरांगनाओं की सजीव छवि विद्यालय की बहिनों ने दिखाया। श्रीमती शालिनी सिंह ने भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर भावपूर्ण प्रबोधन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित माताओं श्रीमती ममता शुक्ला (परियोजना अधिकारी नागौद) उपस्थित रहे।

किसानों की फसल का सर्वे कराने विधायक ने लिखा कलेक्टर को पत्र

नवभारत न्यूज

रामपुर बाघेलान। बिन मौसम हुई बरसात से धान की पकी फसल को अत्यधिक क्षति हुई है। जिस पर रामपुर बघेलान विधानसभा क्षेत्र के किसानों ने विधायक कार्यालय पहुंच कर विधायक विक्रम सिंह से फसल के अत्यधिक नुकसान का बखान करते हुए फसल का जायजा लेने की बात कही और उचित मुआवजे की मांग की।

जिसमें किसानों की समस्या से अवगत होने विधायक विक्रम सिंह ने क्षेत्र भ्रमण किया और किसानों की फसल का अत्यधिक नुकसान देखा जिस पर किसानों को असमय हुई बृष्टि से हुए नुकसान की भरपाई के लिए सतना कलेक्टर को पत्र लिखा है कि बिन मौसम हुई बरसात से सतना जिले के रामपुर बघेलान क्षेत्र में धान की फसल के हुए अत्यधिक नुकसान का सर्वे करा कर नियमानुसार मुआवजा दिलाया जाय। उन्होंने कहा कि किसान की पकी हुई फसल पानी से नष्ट हो गई है और साथ ही जो फसल कट चुकी थी वह भी पानी में डूब कर खराब हो गई है अब अगली बुबाई के लिए किसानों के पास आर्थिक तंगी भी है जिसके लिए खेतों का सर्वे करा कर उन्हें नियमानुसार उचित मुआवजा दिलाया जाए।

रेहुटा के पूर्व सरपंच ने कलेक्टर से की डैम खाली कराने की मांग

कोटर 2 नवंबर, रेणुका के किसान नेता अवधेश सिंह ने कहा है कि किसानों की धान पानी में तैर रही है डैम का पानी 1 मीटर कम कराने की मांग की है। बताया जाता है पूरा डैम लास्ट अक्टूबर तक खाली हो जाता था लेकिन इस साल डैम का पानी अधिक होने के कारण किसान परेशान हैं। पूरी धान की फसल नष्ट होने की कगार में है । ऊपर से बारिश की भी मार हो गई है जिससे कोटर क्षेत्र के गाजिगमा, ग?वा, खोहर, रेहुटा, किचवरिया, रजरवार, इटौर, ढो?ी, खाम्हा और भी बहुत सारे गांव है! किसान नेता अवधेश सिंह ने शासन प्रशासन से मांग की है कि 1 मीटर डैम का पानी अतिशीघ्र कम किया जाए नहीं तो सभी किसान एकजुट होकर आंदोलन करने में बाध्य होंगे।

किंडरगार्टन में मध्यप्रदेश राज्य स्थापना दिवस मनाया गया

नवभारत न्यूज

नागौद 2 नवंबर, स्थानीय किंडरगार्टन प्ले स्कूल में मध्यप्रदेश राज्य स्थापना दिवस का जश्न बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर विद्यालय में 70 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मध्यप्रदेश राज्य के मानचित्र को बनाकर की गई, जिसमें 80 दीपों की एक श्रृंखला बनाई गई। इसके बाद केक काटकर पटाखे फोड़ें गए और सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने मध्यप्रदेश गान गाया।

इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों और शिक्षकों ने मध्यप्रदेश राज्य की

स्थापना से लेकर अब तक की विकास यात्रा पर चर्चा की और राज्य के सभी निवासियों को मध्यप्रदेश राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिससे सभी को देशभक्ति का एहसास हुआ।

इस तरह के कार्यक्रमों से छात्रों में राज्य और देश के प्रति प्रेम और जागरूकता बढ़ती है।

फसल नुकसान का जायजा लेने रामनगर पहुंचीं कलेक्टर बाटड़

नवभारत न्यूज

रामनगर 2 नवंबर, क्षेत्र में हुई असमायिक वर्षा से फसलों को हुए नुकसान का जायजा लेने कलेक्टर रानी बाटड़ रविवार को रामनगर पहुंचीं।

उन्होंने गोरसरी, गैलहरी, भरतपुर, कटिया, झगरहा सही अन्य प्रभावित गांवों का निरीक्षण कर किसानों से चर्चा की और खेतों में खड़ी फसलों की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम एस.पी. मिश्रा, तहसीलदार अनामिका सिंह, नायब तहसीलदार ललित धार्वे नायब तहसीलदार रोशनलाल रावत सहित राजस्व अमले के अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि फसलों के नुकसान का सटीक सर्वे कर प्रभावित किसानों की रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत की जाए।

शासकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय वेबिनार का हुआ आयोजन

नवभारत न्यूज

उचेहरा 2 नवंबर, शासकीय महाविद्यालय उचेहरा में नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति, चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

इसका शुभारम्भ सरस्वती वंदना, स्वागत गीत के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ अनुराग वर्द्धन पाण्डेय ने किया जबकि कार्यक्रम का आयोजन डॉ प्रियम द्विवेदी और डॉ दिनेश पाण्डेय ने किया। संचालन डॉ अरविन्द तिवारी के द्वारा किया गया।

वेबिनार में दिल्ली विश्वविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, डॉ हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय सागर सहित देश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के विद्वानों, प्राध्यापकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई ।

वेबिनार के मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने पौराणिक सन्दर्भों का उल्लेख करते हुए गुरु शिष्य परम्परा को व्यक्तित्व के समग्र विकास का आधार बताया । उन्होंने गुरुकुल परम्परा के आदर्शों पर चलने का आहवान किया। द्वितीय मुख्य वक्ता ईश्वर शरण डिग्री कालेज ,प्रयागराज विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. अखिलेश पाल ने चरित्र निर्माण में संस्थानों और शिक्षकों की भूमिका का विशेष उल्लेख किया। कालेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग वर्द्धन ने नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परम्परा के संयोजन को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग रीवा सम्भाग के अपर संचालक डॉ आर पी सिंह, अग्रणी प्राचार्य, जिला सतना/मैहर डॉ सुरेश चन्द्र राय ने मानवीय संवेदनाओं के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत रुप से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ सतीश कुमार गौतम, सुजीत कुमार पटेल, डॉ नीलम मिश्रा, डॉ रीता तिवारी, डॉ रीता तिवारी, प्रो शीलू तिवारी, डॉ रेणु शुक्ला, नीतू जायसवाल, प्रो सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय ने सक्रिय सहभागिता निभाई । अन्य संवर्ग से दिलीप वर्मा, अरविन्द वर्मा, सुमित श्रीवास्तव सहित बीए, बीकॉम के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर सक्रिय भागीदारी की। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ अरविन्द तिवारी के विशिष्ट योगदान की प्रसंसा करते उन्हें भावभीनी विदाई दी गई ।आभार डॉ प्रियम द्विवेदी और डॉ दिनेश पाण्डेय द्वारा ब्यक्त किया गया। राष्ट्र गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

गैस की किल्लत से लोग परेशान

कोठी 2 नवंबर, कई दिनों से बारिश हो रही है और सूर्य भगवान के भी दर्शन नहीं हो रहे हैं जिससे लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है खाना बनाने में भी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । वह भी विशेष कर ग्रामीण क्षेत्रों में आज ग्राम मौहार में कई ग्रामों के ग्रामीण जन गैस एजेंसी के पास एकत्र थे और एचपी गैस एजेंसी का दरवाजा बाहर से बंद था लोग खाली सिलेंडर लेकर वहां पर खड़े थे और उनको सिलेंडर नहीं मिल पा रहा था जिससे उनका काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने बताया कि बारिश की वजह से चूल्हा और लकड़ी से भी खाना नहीं बनाया जा सकता और हम यहां पर गैस लेने आए हैं तो गैस ही नहीं मिल पा रही है जिससे एक समस्या और आकर खड़ी हो गई है.

प्रशिक्षण में नहीं पहुंचे तीन बीएलओ को नोटिस हुआ जारी

रामपुर बाघेलान, एस आई आर के संबंध में रामपुर बाघेलान तहसील सभागार में बी एल ओ प्रशिक्षण आयोजित किया गया। आयोजित प्रशिक्षण में निर्वाचन अधिकारी आरएन खरे की अध्यक्षता में प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ जिसमें श्री खरे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार एस आई आर के तहत मतदाताओं को वितरित किए गए फॉर्म का वितरण एवं कलेक्शन ऐप के माध्यम से किया जाएगा आयोजित प्रशिक्षण में बी एल ओ सुपरवाइजर एवं बीएलओ को निर्देशित किया गया कि दो दिवस के भीतर कार्य पूर्ण कर रिपोर्टिंग करें वही बीएलओ प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहे बी एल ओ 78 सिजहटा श्रीमती सुनीता माझी ,274 बेला राजेश्वरी पाठक, 283 केसौरा बृजलाल साकेत को अनुपस्थित पाए जाने पर नोटिस भी जारी किया गया। आयोजित प्रशिक्षण में मुख्य रूप से निर्वाचन अधिकारी आर एन खरे सहायक निर्वाचन अधिकारी सुजीत नागेश नायब तहसीलदार वीरेंद्र सिंह जयसूर मणिराज सिंह बघेल मास्टर ट्रेनर रतन राज साकेत सहायक प्रोग्रामर रवेंद्र सिंह सोमवंद साकेत ऑपरेटर शुभम कुशवाहा शाहिद खान पंकज दहिया बी आर सी संतोष पटेल के साथ समस्त बीएलओ प्रशिक्षण में उपस्थित रहे।